# मकराना के खेत में बने पानी के टैंक में डूबने से तीन मासूम बच्चियों की मौत

## तीनों बच्चियां बकरियां लेने के लिए खेत में गई थीं, लेकिन वापस घर नहीं लौटीं

**मकराना,** (निसं)। क्षेत्र के नाका बस्ती मंगलाना में गुरुवार को एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। खेत में बने पानी के टैंक में डूबने से पांच और छह साल की तीन मासूम बच्चियों की मौत हो गई। तीनों बच्चियां बकरियां लेने के लिए खेत में गई थीं, लेकिन वापस घर नहीं लौटीं। काफी देर तक बच्चियों का इंतजार करने के बाद दादी उनकी तलाश में निकली तो खेत में बने पानी के टैंक में तीनों बच्चियां मिलीं। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चहक (6) पुत्री सतीश गुर्जर, महक (6) पुत्री देवेंद्र गुर्जर और मानवी (5) पुत्री दीपक गुर्जर गुरुवार को बकरियां लेने के लिए खेत की ओर गई थीं। इसी दौरान खेत में बने पानी के टैंक में तीनों बच्चियां गिर गईं और डूबने से उनकी मौत हो गई। काफी समय बीतने के बाद भी जब बच्चियां घर नहीं लौटीं तो उनकी दादी ने तलाश शुरू की। आसपास खोजबीन करने के बाद जब वह खेत में बने पानी के टैंक के पास पहुंचीं तो तीनों बच्चियां पानी में नजर आईं। उन्होंने शोर मचाया तो परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे।



मृतक बच्चियों की फाइल फोटो।

- काफी देर तक बच्चियों का इंतजार करने के बाद दादी उनकी तलाश में निकली तो खेत में बने पानी के टैंक में तीनों बच्चियां मिलीं
- चहक और महक के पिता सतीश गुर्जर और देवेंद्र गुर्जर सगे भाई हैं, जबकि मानवी के पिता दीपक गुर्जर उनके चचेरे भाई हैं

ग्रामीणों और परिजनों ने तत्काल तीनों बच्चियों को टैंक से बाहर निकाला और मकराना के उप जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। एक साथ तीन मासूम बच्चियों की मौत की खबर से अस्पताल में परिजनों और रिश्तेदारों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। खुशियों से भरे परिवार में अचानक मातम छा गया। हादसे की सबसे दुखद बात यह रही कि तीनों बच्चियां एक ही परिवार से थीं। चहक और महक के पिता सतीश गुर्जर और देवेंद्र गुर्जर सगे भाई हैं, जबकि मानवी के पिता दीपक गुर्जर उनके चचेरे भाई हैं। इस तरह एक ही परिवार की तीन मासूम बेटियों की जिंदगी इस हादसे में खत्म हो गई।

सूचना मिलने पर परबतसर पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी ली। मृतक बच्चियों के चाचा छोटूराम गुर्जर ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। वहीं हादसे की जानकारी मिलने पर सीआई सुमन बुंदेला घटना स्थल पर पहुंची और जानकारी ली।

# दो पिकअप की आमने-सामने भिड़ंत में दो जनों की मौत



हादसे में दोनों पिकअप वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये।

**पचेरी/झुंझुनूं,** (निसं)। अपनों के निधन पर शोक जताने और दुख की घड़ी में परिवारों को ढांढस बंधाने घर से निकले दो परिवारों को रास्ते में ही ऐसा हादसा झेलना पड़ा, जिसने कई घरों में एक साथ मातम पसरा दिया। राजस्थान-हरियाणा सीमा के पास पचेरी कलां थाना क्षेत्र के भालोठ गांव की पो की ढाणी के नजदीक गुरूवार सुबह पचेरी-महेंद्रगढ़ सड़क पर दो पिकअप गाड़ियों की आमने-सामने भीषण भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 15 से 20 लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों पिकअप में करीब 20-20 लोग सवार थे। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सड़क पर घायल पड़े लोगों को देखकर ग्रामीणों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

पचेरी कलां थाने के एएसआई शीशराम के अनुसार, दोनों पिकअप में सवार लोग अपने रिश्तेदारों के निधन पर आयोजित शोकसभा में शामिल होने जा रहे थे। एक पिकअप में सवार लोग हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के सेहलंग गांव से बुहाना क्षेत्र के घसेड़ा गांव में जगदेव के घर शोकसभा में शामिल होने जा रहे थे। वहीं, दूसरी पिकअप में सवार लोग निहालोठ गांव से महेंद्रगढ़ के दुलोठ गांव जा रहे थे। दोनों परिवारों का सफर भालोठ गांव के पास दर्दनाक हादसे में बदल गया। आमने-सामने हुई टक्कर में कई लोग घायल हो गए। हादसे में निहालोठ निवासी 65 वर्षीय सुभाष यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सेहलंग निवासी रामप्यारी पत्नी दुलीचंद ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। एक ही हादसे में दो परिवारों के सदस्यों की मौत की खबर से परिजनों में शोक छा गया। घायलों को बुहाना के राजकीय अस्पताल और हरियाणा के महेंद्रगढ़ स्थित अस्पतालों में पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद झुंझुनूं रेफर किया गया।

- शोकसभा में शामिल होने जा रहे दो परिवारों की खुशियां मातम में बदलीं
- हादसे में 15 से 20 जने घायल, दोनों वाहनों में करीब 40 लोग सवार थे

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को संभालने में जुट गए। राहत कार्य के दौरान उस समय परेशानी खड़ी हो गई, जब घायलों को लेकर पहुंची पहली एंबुलेंस का टायर पंचर हो गया। इसके बाद सिंघाना और सूरजगढ़ से अतिरिक्त एंबुलेंस बुलवाई गईं। तीन एंबुलेंस के साथ ग्रामीणों ने अपने निजी वाहनों से भी घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। ग्रामीणों की तत्परता से घायलों को जल्द से जल्द उपचार के लिए रवाना किया गया। हादसे की सूचना पर पचेरी कलां थाना पुलिस और हरियाणा के महेंद्रगढ़ थाना क्षेत्र की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटनास्थल के नजदीक पुलिस चौकी होने के बावजूद पुलिस टीम को मौके पर पहुंचने में करीब एक घंटे का समय लगा। पुलिस ने क्रेन और ग्रामीणों की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त पिकअप को सड़क से हटवाया और यातायात सुचारू करवाया।

# तारागढ़ दुर्ग की 36 बीघा जमीन को राजकीय भूमि की पहचान मिली

**अजमेर,** (निसं)। अजमेर की ऐतिहासिक पहचान तारागढ़ दुर्ग को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सामने आया है। दुर्ग से जुड़ी करीब 36 बीघा जमीन को अब राजकीय भूमि के रूप में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया गया है। संभागीय आयुक्त न्यायालय के आदेश की पालना में तहसील कार्यालय ने 58,688 वर्ग मीटर भूमि को राजस्थान सरकार के नाम पर 'तारागढ़ दुर्ग क्षेत्र' के रूप में दर्ज किया है। इस निर्णय के बाद अब तारागढ़ दुर्ग की ऐतिहासिक सीमाओं के निर्धारण और वर्षों से उपेक्षित पड़े ऐतिहासिक अवशेषों के संरक्षण की उम्मीद जगी है।

इस संबंध में एडवोकेट देवेंद्र सिंह शेखावत ने पत्रकार वार्ता आयोजित कर पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामला खसरा संख्या 6262 में चिह्नित जोन ए, बी और सी की जमीन से जुड़ा हुआ है। इस भूमि को लेकर पृथ्वीराज स्मारक समिति के सदस्य एडवोकेट देवेंद्र सिंह शेखावत और पंचायत खुद्दाम सैयद जादगान, तारागढ़ की ओर से अपील दायर की गई थी।

मामले की सुनवाई के बाद संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ ने 6 अक्टूबर 2026 को अपील को आंशिक रूप से स्वीकार किया। इसके तहत 25 जुलाई और 22 अगस्त 2022 को जारी आदेशों को तीनों जोन की सीमा तक निरस्त कर दिया गया। आदेश में स्पष्ट किया गया कि संबंधित जमीन राजस्व रिकॉर्ड में आबादी के रूप में दर्ज थी। वहीं, इसे वन भूमि बताने के दावे के समर्थन में भी पर्याप्त प्रमाण नहीं मिले। इसके बाद तहसीलदार को भूमि को 'तारागढ़ दुर्ग क्षेत्र' के नाम से दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

- संभागीय आयुक्त न्यायालय के आदेश की पालना में तहसील कार्यालय ने 58,688 वर्ग मीटर भूमि को राजस्थान सरकार के नाम पर 'तारागढ़ दुर्ग क्षेत्र' के रूप में दर्ज किया है
- निर्णय के बाद अब तारागढ़ दुर्ग की ऐतिहासिक सीमाओं के निर्धारण और वर्षों से उपेक्षित पड़े ऐतिहासिक अवशेषों के संरक्षण की उम्मीद जगी है

एडवोकेट शेखावत ने बताया कि वर्ष 2022 में जारी आदेशों के बाद यह जमीन वन विभाग के अधीन चली गई थी। इसके चलते दुर्ग क्षेत्र में संरक्षण और विकास से जुड़े कार्य प्रभावित हो रहे थे। अब राजस्व रिकॉर्ड में तारागढ़ दुर्ग क्षेत्र के नाम से भूमि की पहचान दर्ज होने के बाद यहां ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण और विकास की संभावनाएं बढ़ गई हैं। शेखावत ने प्रशासन से मांग की कि सर्वे नक्शे के आधार पर जोन ए, बी और सी का मौके पर सीमांकन कराया जाए, ताकि दुर्ग क्षेत्र की वास्तविक सीमा स्पष्ट हो सके। इसके साथ ही तारागढ़ दुर्ग के परकोटे, बुर्ज और प्रवेश द्वारों का विस्तृत सर्वे करवाकर उनके संरक्षण की कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने दुर्ग तक पहुंचने वाले पर्यटकों के लिए सुरक्षित पैदल मार्ग विकसित करने, नियमित साफ-सफाई करवाने और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी देने वाले सूचना-पट्ट लगाने की भी मांग उठाई। उनका कहना है कि राजस्व रिकॉर्ड में भूमि की पहचान सुनिश्चित होना ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब प्रशासन को इस फैसले के आधार पर धरातल पर संरक्षण और विकास के कार्य शुरू करने चाहिए।

## युवक का शव खेत में मिला

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र स्थित पार्वती नगर में गुरुवार सुबह एक युवक का शव खेत में कमठा मलबे के बीच पड़ा मिला। रातभर से परिजन उसे तलाश रहे थे। सुबह शव के पास में ही स्कूटी मिलने पर पहचान की गई। मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर एफएसएल टीम को बुलाया गया। बासनी पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। शव को एम्स चिकित्सालय में पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया।

बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि सूचना मिली कि पार्वती नगर स्थित खेत में एक युवक का शव पड़ा है। पास में स्कूटी पड़ी है। इस पर पुलिस वहां पहुंची। शव खेत के पास में कमठा मलबा में पड़ा था। बाद में उसकी पहचान फींच लूणी निवासी मनीष पुत्र जेताराम विश्नोई के रूप में की गई। थानाधिकारी दवे ने बताया कि मृतक मनीष शादीसुदा था, वह बुधवार की रात घर से निकला था। वह रात तक घर नहीं पहुंचा, तब परिजन उसे तलाश करने लगे। सुबह उसे तलाशते हुए खेत तक पहुंचे और पास में स्कूटी मिलने पर पहचान कर ली गई।

# मतदान बहिष्कार की सूचना पर प्रशासन ने ग्रामीणों से समझाइश की

**निवाई,** (निसं)। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के चतुर्थ चरण में आयोजित पंचायत चुनावों को लेकर खारवाल की ढाणी (नदी की ढाणी) के ग्रामीणों द्वारा मतदान बहिष्कार करने की सूचना मिलने पर निर्वाचन अधिकारी गंभीर सिंह ने संज्ञान लेते हुए प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ ढाणी में पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा, तहसीलदार सृष्टि जैन, विकास अधिकारी हंसराज गुर्जर, थानाधिकारी घासीराम मीणा, दतवास थानाधिकारी निरमा मीणा व ग्राम विकास अधिकारी विनोद परिडवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगों को सुनकर उन्हें समझाइश करते हुए लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान किया। निर्वाचन अधिकारी सिंह ने ग्रामीणों को बताया कि मतदान प्रत्येक नागरिक का महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार है। सभी ग्रामवासी अपने मताधिकार का प्रयोग कर गांव की सरकार के गठन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं एवं पंचायतीराज व्यवस्था को सशक्त बनाने में सहयोग करें। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी जायज मांगों एवं समस्याओं से प्रशासन भलीभांति अवगत है तथा उनका नियमानुसार परीक्षण कर सकारात्मक एवं उचित कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।

## जमीन बंटवारे को लेकर दिव्यांग किसान से मारपीट का आरोप

**नसीराबाद,** (निसं)। ग्राम बाधसूरी में जमीन के बंटवारे को लेकर एक दिव्यांग किसान को परेशान करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान ने अपने ही काका और उसकी पत्नी पर खेत पर पहुंचकर सिंचाई के लिए लगी मोटर का पाइप जलाने, स्टार्टर तोड़ने, गाली-गलौच करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

शिकायतकर्ता पूसा लाल पुत्र रामप्रसाद (45) निवासी ग्राम बाधसूरी, तहसील नसीराबाद ने बताया कि वह खटीक समाज से है तथा दिव्यांग और गरीब किसान है। उसकी पत्नी भी दिव्यांग है। गांव में उसकी कृषि भूमि और कुआं स्थित है, जिस पर सिंचाई के लिए मोटर लगी हुई है। इसी जमीन पर खेती-बाड़ी कर वह परिवार का भरण-पोषण करता है। पीड़ित के अनुसार उसका काका रामस्वरूप उसकी जमीन के हिस्से को हड़पना चाहता है।

# तनोट माता मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित होंगी : भजनलाल शर्मा

**जयपुर,** (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर तनोट माता मंदिर की पुनर्विकास परियोजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाकर तय समय पर काम पूरा करने के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध तनोट माता मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। इन श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए राज्य सरकार ने मंदिर के समग्र विकास की योजना बनाई है। इसके अंतर्गत यात्रियों के ठहराव, पार्किंग सहित विभिन्न बेहतर सुविधाएं विकसित होंगी। राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने बताया कि राज्य सरकार तनोट माता मंदिर की पुनर्विकास परियोजना के लिए भूमि आवंटित कर चुकी है। वहीं, परियोजना रिपोर्ट भी तैयार हो चुकी है। बैठक में अति. मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, पर्यटन शासन सचिव शुचि त्यागी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तनोट माता मंदिर की पुनर्विकास परियोजना की समीक्षा के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

## खाते से 3.77 लाख की राशि पार

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के अंदर कोरना हाउस रोड पर रहने वाले एक व्यक्ति के बैंक खाते से 3.77 लाख रूपए पार हो गए। उसने किसी को ओटीपी नंबर आदि भी शेयर नहीं किए थे। घटना 9 नवंबर की है। उसके द्वारा साइबर पोर्टल पर शिकायत दी गई। अब खांडाफलसा पुलिस ने जीरो नंबर एफआईआर पर फ्रॉड का केस दर्ज किया है।

खांडाफलसा पुलिस ने बताया कि कोरना हाउस रोड, सिवांची गेट के अंदर रहने वाले अशोक भाटी पुत्र किशनलाल भाटी ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 9 नवंबर को उसके बैंक खाते से किसी शातिर ने 3 लाख 77 हजार 309 रूपए निकाल लिए, जबकि उसके पास में किसी प्रकार का कोई कॉल या ओटीपी नंबर भी नहीं आया था। उसने साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी थी। पुलिस ने बताया कि जीरो नंबर एफआईआर मिलने पर अब फ्रॉड का केस दर्ज किया गया है।

# चिकित्सक ने एक हजार की रिश्वत ली

**डूंगरपुर,** (निसं)। जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वतखोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए झोथरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. अमित परमार को एक हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों ट्रैप किया है। डॉक्टर पर मरीज का मेडिकल प्रमाण पत्र बनाने की एवज में 10 हजार रुपये मांगने का आरोप है।

एसीबी के एडिशनल एसपी राजेंद्र जैन ने बताया कि, परिवादी चोट के निशान को लेकर मेडिकल प्रमाण पत्र बनवाने के लिए डॉ. अमित परमार से मिला था। डॉक्टर ने मेडिकल बनाने के बदले 10 हजार रुपये की मांग की। बाद में बातचीत के दौरान 2 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। इसमें से 1 हजार रुपये पहले ही रिश्वत के तौर पर दिए जा चुके थे। इसके बाद परिवादी ने एसीबी में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी ने जाल बिछाया और आज मेडिकल प्रमाण पत्र लेने पहुंचे परिवादी से 1 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए डॉक्टर को रंगे हाथों पकड़ लिया। जांच में सामने आया कि डॉक्टर ने 31 अक्टूबर को ही मेडिकल प्रमाण पत्र तैयार कर लिया था, लेकिन रिश्वत की शेष राशि लेने के लिए उसे अपने पास रोककर रखा था। आरोपी डॉ. अमित परमार कोलखंडा निवासी बताए जा रहे हैं।


राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर परिषद धौलपुर
मचकुण्ड रोड धौलपुर Email Id- dholpur.jaipur@gmail.com, Ph- 05642-220888
क्रमांक:-न.प.धौ./2026-27/9638-40 दिनांक:- 05.11.2026

**अभिरूचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित सूचना**

नगर परिषद धौलपुर द्वारा आगामी शरद महोत्सव 2026 में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु प्रतिष्ठित एवं अनुभवी इवेंट मैनेजमेंट फर्मो/एजेंसियों/संस्थाओं से मेला सांस्कृतिक कार्यक्रम संचालन के लिये रूचि के अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 49 लाख रू है।
UBN No.-
1. DLB2627SLOB24101
विवरण के लिये देखे www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in
राज.संवाद/सी/26/13131 आयुक्त



**कार्यालय नगर निगम जोधपुर**

क्रमांक :- 344 दिनांक :- 12/11/2026

**Corrigendum**

ई-निविदा क्रमांक 299 दिनांक 28.10.2026 को http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.rajasthan.gov.in, lsg.rajasthan.gov.in/nnjodhpur. की वेबसाईट पर निम्न सारणी संख्या 01 अनुसार अपलोड की गई थी। उक्त ई-निविदा प्रकाशन नही होने से निविदा डाउनलोड व प्रस्तुती दिनाकों में सारणी संख्या 02 के अनुसार परिवर्तन व संशोधन किया जाता हैं :-

सारणी संख्या 01

| Sr. | Particulars | Estimated Cost Rs. (Lac) | Bid Security (2%) Rs. | Bid Sub-mission end Date & Time | Technical Bid Opening Date and Time |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Procurement Breathing Apparatus Set (BA SET) SCBA. (as per Specifications, Bid Terms & Conditions) | 35.40 | 70,800 | 12/11/2026 Till 03:00 PM | 12/11/2026 at 04:00 PM |

सारणी संख्या 02

| Sr. | Particulars | Estimated Cost Rs. (Lac) | Bid Security (2%) Rs. | Bid Sub-mission end Date & Time | Technical Bid Opening Date and Time |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Procurement Breathing Apparatus Set (BA SET) SCBA. (as per Specifications, Bid Terms & Conditions) | 35.40 | 70,800 | 16/11/2026 Till 03:00 PM | 16/11/2026 at 04:00 PM |

नोट :- निविदा की शेष अन्य सभी शर्तो एवं नियम मूल निविदा सूचना के अनुसार यथावत रहेगी। विस्तृत विवरण http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.rajasthan.gov.in, lsg.rajasthan.gov.in/nnjodhpur पर देखा जा सकता हैं।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी
नगर निगम जोधपुर
राज.संवाद/सी/26/13113


# बुहाना के कलगांव में जर्जर 11 हजार वोल्ट की लाइन के पोल खेत में गिरे

**बुहाना,** (निसं)। बुहाना उपखंड की गड़ाखेड़ा ग्राम पंचायत के कलगांव में गुरूवार सुबह 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन के जर्जर पोल अचानक टूटकर विक्रम सिंह यादव के खेत में जा गिरे। पोल टूटने के साथ ही हाईटेंशन लाइन के तार नीचे से गुजर रही घरेलू एलटी लाइन के संपर्क में आ गए। इससे गांव के कई घरों में अचानक हाई वोल्टेज करंट दौड़ गया। तेज धमाकों के साथ घरों में लगे फ्रिज, पंखे, आरओ सहित कई विद्युत उपकरण जलकर खराब हो गए। सुबह का समय होने के कारण अधिकांश ग्रामीण घरों में मौजूद थे। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

ग्रामीण विक्रम सिंह यादव ने बताया कि 11 हजार वोल्ट की यह बिजली लाइन हिरवा की तरफ से आ रही है। गुरूवार सुबह अचानक बिजली लाइन के पोल टूटकर उनके खेत में गिर गए। पोल टूटने के साथ ही लाइन में फॉल्ट हुआ और हाईटेंशन तार घरेलू एलटी लाइन के संपर्क में आ गए। इसके चलते घरों में सप्लाई होने वाले वोल्टेज में अचानक भारी बढ़ोतरी हो गई। कई घरों में तेज धमाकों की आवाज सुनाई दी और देखते ही देखते फ्रिज, पंखे, आरओ सहित अन्य विद्युत उपकरण जल गए।

- पोल टूटने के साथ ही हाईटेंशन लाइन के तार नीचे से गुजर रही घरेलू एलटी लाइन के संपर्क में आ गए
- इससे गांव के कई घरों में अचानक हाई वोल्टेज करंट दौड़ गया तेज धमाकों के साथ घरों में लगे फ्रिज, पंखे, आरओ सहित कई विद्युत उपकरण जलकर खराब हो गए

ग्रामीणों का आरोप है कि 11 हजार वोल्ट की लाइन के पोल लंबे समय से जर्जर और क्षतिग्रस्त अवस्था में थे। पोल की खराब हालत को लेकर बिजली निगम के अधिकारियों को कई बार अवगत करवाया गया था। ग्रामीणों ने पोल बदलने और लाइन की मरम्मत करवाने की मांग भी की थी, लेकिन शिकायतों के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीण विक्रम सिंह यादव का कहना है कि यदि समय रहते विभाग ने जर्जर पोल बदल दिए होते तो इस हादसे को रोका जा सकता था।आखिरकार गुरूवार सुबह वही कमजोर पोल टूटकर खेत में गिर गए और गांव के घरों में हाई वोल्टेज पहुंचने से लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में ट्रांसफार्मर का एक पोल भी टूटा हुआ है और उसकी हालत भी खराब बनी हुई है। ऐसे में ग्रामीणों को आशंका है कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं करवाई गई तो यहां भी कभी बड़ा हादसा हो सकता है।

# अजमेर की आनासागर झील में मिला शव भीलवाड़ा की महिला का निकला

**अजमेर,** (निसं)। आनासागर झील में बुधवार को बारादरी के पास मिले महिला के शव की पहचान हो गई है। मृतका की पहचान भीलवाड़ा निवासी मोहिनी देवी (60) पत्नी हीरालाल कोली के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला का घर में बहू से विवाद हुआ था। इसके बाद वह नाराज होकर घर से निकल गई थी। परिजनों ने उसे अजमेर स्थित पीहर जाने के लिए ट्रेन में बैठाया था, लेकिन वह पीहर नहीं पहुंची। बाद में उसका शव आनासागर झील में मिला। गुरुवार को ससुराल और पीहर पक्ष के परिजन जेएलएन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

कृष्णगंज थाना पुलिस के अनुसार, महिला के बड़े बेटे कमल ने बताया कि 10 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे उनकी मां घर से निकली थी। घर में बहू के साथ किसी बात को लेकर विवाद होने पर वह नाराज हो गई थी। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान परिवार के एक सदस्य को वह रेलवे स्टेशन पर मिली। इसके बाद परिजनों ने उसे अजमेर जाने वाली ट्रेन में बैठा दिया। महिला अजमेर में अपने पीहर जाने के लिए रवाना हुई थी।

- महिला का बहू से विवाद हुआ था, इसके बाद वह नाराज होकर घर से निकल गई थी

परिजनों ने अजमेर में पीहर पक्ष के लोगों को भी महिला के रवाना होने की सूचना दे दी थी। हालांकि, 10 नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे तक वह पीहर नहीं पहुंची। इसके बाद पीहर पक्ष के लोगों ने रेलवे स्टेशन सहित आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की। भीलवाड़ा में भी परिजनों ने काफी प्रयास किए, लेकिन महिला का कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार परिजनों ने भीलवाड़ा जीआरपी थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज करवाई। महिला के भाई गणेशराम ने बताया कि भाईदूज के अवसर पर बहन के अजमेर स्थित पीहर आने की बात थी। इसी बात को लेकर घर में बहू के साथ कहासुनी हुई थी। विवाद के बाद बहन नाराज होकर घर से निकल गई थी। भाई ने यह भी बताया कि भांजे की बहू ने फोन कर कहा था कि उन्हें वापस भीलवाड़ा भेजने की जरूरत नहीं है। परिजनों ने पुलिस को इस बातचीत की जानकारी भी दी है।

गौरतलब है कि बुधवार को आनासागर झील में बारादरी के पास महिला का शव मिला था। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी। बाद में कृष्णगंज थाना पुलिस ने मामले की कार्रवाई करते हुए महिला की पहचान और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करवाई। महिला घर से निकलने के बाद रेलवे स्टेशन पहुंची और अजमेर आने वाली ट्रेन में सवार हुई थी। इसके बाद वह आनासागर झील तक कैसे पहुंची और किन परिस्थितियों में उसकी मौत हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।